रोल नं.
Roll No. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8
No. of printed pages : 8

102

402 (IKA)

# 2023
# हिन्दी
## (केवल कृषि वर्ग भाग-II के लिए)

**समय : 3 घण्टे ]** **[ पूर्णांक : 80**

**निर्देश :** (i) इस प्रश्न पत्र में **दो** खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों के **सभी** प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

**खण्ड – 'अ'**

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

आकाश की सभी गतिविधियों का प्रतिफल पृथ्वी पर ही प्रकट होता है। आकाश की चाँदनी धरती पर फैलकर ही सुन्दर बनती है। आकाश की नस-नस को अपनी गर्जना से तड़का देने वाले बादल धरती पर बरसकर ही जीवन रस बनते हैं। पृथ्वी माता है और आकाश पिता, आकाश में ही फैली हैं पृथ्वी की जड़ें। पृथ्वी की नस-नस में व्याप्त जल ही उसका प्राण-रस है। यही फूल है, यही गंध है, यही फल है और यही फल का रस। जल में जीवन का उद्‌भव हुआ। जल ही जीवन का पोषण करता है और रक्षा भी । ठंडा होने पर सारे द्रव तलहटी से जमना प्रारंभ करते हैं और धीरे-धीरे ऊपर सतह की ओर जमते आते हैं। जल एकमात्र ऐसा द्रव है जो ऊपर की सतह से जमना शुरू करता है। सतह बर्फ बन जाती है और नीचे पानी और पानी में जीवन। यह है पानी की दयालुता, जल की करुणा। मंगल ग्रह पर जल की इसी करुणा का अनुभव वैज्ञानिकों को वहाँ जीवन होने के संकेत दे रहा है। वहाँ बर्फ हो सकती है तो बर्फ के नीचे पानी हो सकता है और पानी में कोई जीवन-चाहे बैक्टीरिया ही क्यों न हो।

(क) आकाश की गतिविधियाँ पृथ्वी पर किस रूप में फलित होती हैं? 2

(ख) जल को जीवन क्यों कहा गया है? 2

(ग) जल की किस विशेषता के कारण मंगल पर जीवन की सम्भावना व्यक्त की जा रही है? 2

(घ) आकाश को पिता क्यों कहा गया है? 2

(ङ) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 2



https://www.ukboardonline.com

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए - 8

(क) विद्यार्थी और राजनीति

(ख) मेरे जीवन का उद्देश्य

(ग) जनसंख्या वृद्धि और हमारी प्रगति

(घ) आतंकवाद

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए- $1 \times 5 = 5$

(क) श्रेष्ठ प्रतिवेदन की एक विशेषता लिखिए।

(ख) जनसंचार का सबसे नया माध्यम है-

(i) टेलीविजन

(ii) समाचार पत्र

(iii) इण्टरनेट

(ग) निम्नलिखित में एक पत्रिका है -

(i) अमर उजाला

(ii) इण्डिया टुडे

(iii) दैनिक जागरण

(घ) संपादकीय का क्या तात्पर्य है?

(ङ) रेडियो समाचार की भाषा ऐसी हो -

(i) जिसमें आम बोलचाल के शब्दों का प्रयोग हो

(ii) जो समाचार वाचक आसानी से पढ़े सकें

(iii) जिसमें आम बोलचाल की भाषा के साथ-साथ सटीक मुहावरों का इस्तेमाल हो

(iv) जिसमें सामासिक और तत्सम शब्दों की बहुलता हो

4. 'हमारा संकल्प-स्वच्छ भारत' पर लगभग 150 शब्दों में आलेख तैयार कीजिए। 5

**अथवा**

आपके विद्यालय द्वारा 'वृहद वृक्षारोपण' कार्यक्रम के आयोजन पर 150 शब्दों में एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।



https://www.ukboardonline.com

5. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1+1=2

घर कि घर में चार भाई,
मायके में बहिन आई,
बहिन आई बाप के घर,
हाय रे परिताप के घर!
घर कि घर में सब जुड़े हैं,
सब कि इतने कब जुड़े हैं,
चार भाई चार बहिनें,
भुजा भाई प्यार बहिनें।

(क) मायके में आई बहिन के लिए कवि ने घर को परिताप का घर क्यों कहा है?

(ख) 'भुजा भाई प्यार बहिनें' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) इस काव्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 1+1=2

सारी मुश्किल को धैर्य से समझे बिना
मैं पेंच को खोलने के बजाए
उसे बेतरह कसता चला जा रहा था
क्योंकि इस करतब पर मुझे
साफ सुनाई दे रही थी
तमाशबीनों की शाबाशी और वाह वाह।
आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
जोर जबरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गयी
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी।

(क) कविता में तमाशबीन किसे कहा है?

(ख) 'वह भाषा में बेकार घूमने लगी', क्यों? आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) इस काव्यांश के पाठ तथा कवि का नाम लिखिए।



https://www.ukboardonline.com

7. निम्नलिखित काव्यांशों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए– 2+2=4

(क) दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से विलोयी
दधि मथि घृत कादि लियो, डारि दई छोयी।

(ख) मुझसे मिलने को कौन विकल?
मैं होऊँ किसके हित चंचल?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को,
भरता उर में विह्वलता है।
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।

8. (क) 'घर की याद' कविता में कवि ने पिता के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं को उकेरा है? 2

**अथवा**

'वे आँखें' कविता में किसान की पीड़ा के लिए किन्हें जिम्मेदार बताया गया है?

(ख) पठित कविता के सन्दर्भ में 'बिना मुरझाये महकने के माने' क्या होते हैं? 2

**अथवा**

बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों को कविता 'बादल राग' रेखांकित करती है?

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1+1=2

यहाँ तक कि मुंशीजी को न्याय भी अपनी ओर कुछ खिंचा हुआ दीख पड़ता था। वह न्याय का दरबार था, परन्तु उसके कर्मचारियों पर पक्षपात का नशा छाया हुआ था, किन्तु पक्षपात और न्याय का क्या मेल? जहाँ पक्षपात हो, वहाँ न्याय की कल्पना भी नहीं की जा सकती। मुकदमा शीघ्र ही समाप्त हो गया। डिप्टी मजिस्ट्रेट ने अपनी तजवीज में लिखा, पंडित अलोपीदीन के विरुद्ध दिए गए प्रमाण निर्मूल और भ्रमात्मक हैं। वह एक बड़े भारी आदमी हैं। यह बात कल्पना के बाहर है कि उन्होंने थोड़े लाभ के लिए ऐसा दुस्साहस किया हो। यद्यपि नमक के दारोगा मुंशी वंशीधर का अधिक दोष नहीं है, लेकिन यह बड़े खेद की बात है कि उसकी उद्दंडता और विचारहीनता के कारण एक भले मानुस को कष्ट झेलना पड़ा। हम प्रसन्न हैं कि वह अपने काम से सजग और सचेत रहता है, किन्तु नमक से मुकदमे की बढ़ी हुई नमकहलाली ने उसके विवेक और बुद्धि को भ्रष्ट कर दिया। भविष्य में उसे होशियार रहना चाहिए।

(क) कहानी तथा कहानीकार का नाम लिखिए।

(ख) वंशीधर सत्य पर डटे रहने पर भी मुकदमा क्यों हार गए?

(ग) न्यायाधीश ने अलोपीदीन के बारे में क्या टिप्पणी की?



https://www.ukboardonline.com

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1+1=2

इन बातों को आज पचास से ज्यादा बरस होने को आए पर ज्यों की त्यों मन पर दर्ज है। कभी-कभी कैसे-कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए करते क्या हैं? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम - निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एक मात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंश तो नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति?

(क) वर्तमान में किस भावना का नामो-निशान तक नहीं है?

(ख) लेखक किस बात को लेकर चिंतित है?

(ग) यह गद्यांश किस पाठ से लिया गया है? इसके लेखक कौन हैं?

11. मियाँ नसीरुद्दीन को 'नानबाइयों का मसीहा' क्यों कहा गया है? 2

**अथवा**

त्रिलोक सिंह कौन थे? उन्होंने मोहन के विषय में क्या भविष्यवाणी की थी?

12. बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या प्रभाव पड़ता है? 2

**अथवा**

भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं।' लेखिका ने ऐसा क्यों कहा होगा?

13. राजस्थान के रेत की क्या विशेषता है? 2

**अथवा**

तातुश के घर काम करने वाली औरत ने बेबी को गालियाँ क्यों दी?

14. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी का क्या उद्देश्य है? 2

**अथवा**

मुअनजो-दड़ो के अजायबघर में लेखक ने क्या-क्या देखा?

15. कुईं का मुँह छोटा रखने के क्या कारण हैं? 4

**अथवा**

'जूझ' कहानी के आधार पर आनन्दा के चरित्र की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।



https://www.ukboardonline.com

## खण्ड – 'ब'

16. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत- 1+1=2

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए)

अत्र बदरीनाथः, केदारनाथः, गंगोत्री, यमनोत्री च चत्वारि धामानि धार्मिक जनानां श्रद्धा केन्द्राणि वर्तन्ते। अनेकैः धर्मपरायणैः जनैः निर्मिताः धर्मशालाः नूतनाः निर्मिताः राजमार्गाः च तीर्थयात्रां सुखदां निर्मान्ति। प्रतिवर्षं न केवलं भारतस्यैव अपितु वैदेशिकाः अपि अधिकाधिक संख्यायाम् अत्र समागच्छन्ति। तीर्थयात्रिणः गंगायाः पावने शीतले च जले स्नात्वा मठमन्दिरेषु च भगवतः दर्शनानि कृत्वा आत्मनः जीवनं धन्यं कुर्वन्ति, तत्रैव पर्यटनार्थं समागताः अपि यात्रिकाः मसूरी-नैनीताल-कौसानी-कुसुमोपत्यकादिषु सुरम्येषु स्थानेषु आगत्य प्रकृत्याः मनोहरं सौन्दर्यं विलोक्य स्वर्ग सुखमिव अनुभवन्ति।

(क) अत्र कति धामानि सन्ति?

(ख) अत्र के समागच्छन्ति?

(ग) पर्यटनार्थं समागताः अत्र कथम् अनुभवन्ति?

17. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत- 1+1=2

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए)

अरुणाचल प्रदेशे रूपग्रामे उभौ सहोदरौ निवसतः स्मः। तयोःज्येष्ठः बौद्ध सन्यासीः, कनीयान् च व्याधवृत्तिम् आश्रितः। अनुजः एव गृहपोषणं करोति स्म। प्रतिदिनं सः अरण्यं गत्वा पशून् हत्वा मांसं सङ्गृह्य आगच्छति स्म। तेन मांसेन एव गृहे पाकः सज्जीक्रियते स्म। बौद्धसन्यासिने एतत् मांससेवनं न रोचते स्म। मांसभक्षणं यदा तेन निराकृतं तदा अनुजः तम् अवदत्- "मृगया अस्माकं कुलवृत्तिः। मांसखादनं यदि परित्यज्येत तर्हि गृहजनैः सर्वैः उपवासः आचरणीयः भवेत्। अन्यच्च, जीविहननं क्रियते मया, न तु भवता, पापं प्राप्येत मया। भोजनसमये पापपुण्यचिन्ता न करणीया" इति। https://www.ukboardonline.com

(क) रूपग्रामे कौ निवसतः स्मः?

(ख) कस्मै मांससेवनं न रोचते स्म?

(ग) मांसखादनं यदि परित्यज्येत् तर्हि किं भवेत्?

18. प्रदत्तं श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत- 1

(निम्नलिखित श्लोक से पूछे गए प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए)

कस्त्वं? शूली, मृगय भिषजं, नीलकण्ठ! प्रियेऽहं,
केकामेकां कुरु, पशुपतिर्नैव दृश्ये विषाणे!
स्थाणुर्मुग्धे न वदति तरुर्जीवितेशः शिवायाः,
गच्छाटव्यामिति हतवचाः पातु वश्चन्द्रचूडः।।

(क) अत्र नीलकण्ठेः शब्दस्य के अर्थाः सन्ति?

(ख) पशुपति इति श्रुत्वा पार्वती किं कथयति?



https://www.ukboardonline.com

19. प्रदत्तं श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत - 1

(निम्नलिखित श्लोक से पूछे गए प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए)

तेन तज्जलमादत्तं जरयत्यग्निमारुतौ।

आहारपरिणामाच्च स्नेहो वृद्धिश्च जायते।।

(क) वृक्षेण किम आदत्तम?

(ख) आहारपरिणामात् किम् भवति?

20. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत- 2+2=4

(संस्कृत पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए)

(क) पुरा भारतस्य महान् सम्राट् कः आसीत?

(ख) भुवि भारभूताः के जनाः सन्ति?

(ग) भोजनार्थम् आगच्छताम् इति का वदति?

(घ) यदा कविः पाकाय बुद्धिं विदधाति तदा किं किं भवति?

21. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत - 2+2=4

(संस्कृत पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए)

(क) वासुदेवः दुर्योधनस्य सभां किमर्थं गतवान्?

(ख) लघुकायः मण्डूकः किम् आरब्धवान?

(ग) मंचसचालनं कः करिष्यति?

(घ) गोविन्दबल्लभ पन्तः कस्य मुख्यमंत्री अभवत्?

22. अधोलिखितेषु पदेषु मात्र **त्रीन** पदानिं चित्वा तेषां वाक्यरचना संस्कृतभाषायां कुरुत- 3

(निम्नलिखित पदों में से **तीन** पदों की वाक्य रचना संस्कृत में कीजिए)

| कदाचित, एकाग्रता, स्पर्धा, अनुजः, छात्रः, पश्यन्ति, वृक्षेण, पिबति |
|---|

23. निर्देशानुसारम् प्रश्नानाम् उत्तरम् लिखत- ½×6=3

(निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए)

(क) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए)-

त्रिदशेन्द्रः **अथवा** देवात्मजाः

(ख) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए)-

सत् + जनः **अथवा** दुः + योधनः



https://www.ukboardonline.com

(ग) समास विग्रहं कुरुत (समास विग्रह कीजिए)-

पितरौ **अथवा** प्रतिदिनम्

(घ) कारकं स्पष्टं कुरुत (कारक स्पष्ट कीजिए)-

स सिंहात् विभेति **अथवा** पादपानाम्

(ङ) विभक्ति वचनं च लिखत (विभक्ति और वचन लिखिए)-

भक्षणात् **अथवा** ज्येष्ठः

(च) पुरुष वचनं च लिखत (पुरुष और वचन लिखिए)-

कुर्मः **अथवा** गमिष्यन्ति

24. अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतम् श्लोकं वर्जयन कमपि अन्यं कंठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायां तस्य अनुवादं कुरुत्। 2+2=4

(कोई एक कण्ठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो, लिखिए और उसका हिन्दी में अनुवाद कीजिए।)

*****

https://www.ukboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से



https://www.ukboardonline.com